B.Ed. SPECIAL EDUCATION (BEDSE)

03053

Term-End Examination

June, 2012

MMD-011 : EDUCATION IN EMERGING INDIAN SOCIETY

Time : 3 hours *Maximum Marks : 50*

Note : *There are **three** sections in this paper – Section - **A, B** and **C**. Read the specific instructions given for attempting the questions.*

SECTION-A

Note : There are ***five*** questions in this section. ***All*** are **compulsory.** Each question is of ***two*** marks.

1. Define Globalisation. **2**

2. Differentiate between Assessment and evaluation. **2**

3. Define Education in the words of "Tagore". **2**

4. Expand the followings :- **2**

(a) MSJE (b) MHRD

5. What is Realism in Education ? **2**

SECTION-B

Note : This section contains **6** questions, out of which attempt ***any four***. Each question carries ***five*** marks:

6. Discuss the emerging role of teachers of special education. 5

7. Enlist the features of non-formal education. 5

8. According to Gandhiji, what are the social aims of education ? 5

9. Distinguish between barbarism and civilization. 5

10. Discuss briefly the strength and weaknesses of the caste system in India. 5

11. Justify the statement "There is no alternative to vocational Education". 5

SECTION-C

Note : Both questions are ***compulsory***. Each question carries **10** marks.

12. Distinguish between Formal, Informal and Non-Formal Education with suitable examples. **10**

OR

Describe the objectives and activities of UNESCO in the field of Education. **10**

13. Analyse the statement "The present era of the world is the stage of immense transformation". **10**

OR

Critically evaluate the New Policy on Education 1986 (NPE-1986) revised in 1992 especially with respect to special Education. **10**

बी.एड. (विशेष शिक्षा)

(बी.ई.डी.एस.ई.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2012

एम.एम.डी.-011 : उभरते भारतीय समाज में शिक्षा

समय : 3 घंटे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : *इस प्रश्न पत्र में कुल **तीन** भाग हैं; **अ, ब** तथा **स** । प्रत्येक भाग के साथ हल करने संबंधित निर्देश दिए गए हैं, उन्हें ध्यान से पढ़ें।*

भाग-अ

निर्देश : इस भाग में **पांच** प्रश्न दिए गए हैं। सभी प्रश्न **अनिवार्य** हैं। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है।

1. विश्वीकरण को परिभाषित करें। **2**

2. आँकलन तथा मूल्याकन में क्या भेद है? **2**

3. शिक्षा को ''टैगोर'' के शब्दों में परिभाषित करें। **2**

4. निम्नलिखित का पूर्ण रूप लिखें :- **2**
   (a) एम. एस. जे. ई. (b) एम. एच. आर. डी.

5. शिक्षा में वास्तविकतावाद को परिभाषित करें। **2**

भाग-ब

निर्देश : इस भाग में कुल छः प्रश्न दिए गए हैं। इनमें से **किन्हीं चार** प्रश्नों के उत्तर लिखें। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का है।

6. विशेष अध्यापकों की उभरती भूमिका का वर्णन करें। 5

7. अनौपचारिक शिक्षा के गुणों को लिखें। 5

8. ''गांधी जी'' द्वारा दिये शिक्षा के सामाजिक उद्देश्य बतायें। 5

9. जंगलीपन एवं सभ्यता में अन्तर स्पष्ट करें। 5

10. भारत में जाति प्रणाली के लाभ व हानियाँ संक्षेप में बतायें। 5

11. उक्त कथन को न्यायोचित सिद्ध करें, ''व्यवसायिक शिक्षा के अनुरूप को अन्य विकल्प नहीं है।'' 5

भाग-स

निर्देश : नीचे दिए गए दोनों प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है।

12. औपचारिक, दुरस्थ तथा अनौपचारिक शिक्षा में अन्तर उचित उदाहरणों सहित स्पष्ट करें। **10**

अथवा

यूनेस्को की शिक्षा के क्षेत्र में उद्देश्यों एवं गतिविधियों का वर्णन करें। **10**

13. "विश्व के वर्तमान काल एक बेहद बदलाव का स्तर है।" इस कथन की व्याख्या करें। **10**

अथवा

शिक्षा की नई नीति 1986 (NPE-1986) संशोधित 1992 का विशेष शिक्षा के संदर्भ में आलोचनात्मक मूल्यांकन करें। **10**